January 2025

PRSI HARMONY

Building Bridges of Trust

46वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रैंस

जनसंपर्क के नए स्वरूप का संकल्प!

Inside

PUBLIC RELATIONS SOCIETY OF INDIA
HARMONY

Monthly (January2025)

Editor-in-chief
Prof. Ajit Pathak

Managing Editor
Dr. Archana Kumari

Executive Editors
Dr. Ciny Philip
Dr. Dev Kanya Thakur
Dr. Harsha Bhargavi
Dr. Neha Jingala
Ms. Tanushree Sharma

Editor (Hindi)
Mr. Yasir Arfat

Editor (English)
Dr. Pardeep Singh

Sub Editor (Hindi)
Ms Pooja
Deoraj Singh

Sub Editor (English)
Ms. Archana Kiran
Ms. Jaya

Graphics Editor
Ms. Lavi Sharma

Webmaster
Mr. Manish Hooja

Webmaster
Mr. Shekhar Ghosh
Mr. Chandan Varma,
Mr. Janakram Sahu

Office:
Core-7, SCOPE Complex,
Lodhi Rd, CGO Complex,
Pragati Vihar, New Delhi, Delhi 110003
Web: www.prsi.org.in
Email: harmony.prsi@gmail.com

पीआरएसआई
जनसंपर्क महाकुंभ

05 पीआरएसआई, देहरादून ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की भेंट, मतदाता जागरूकता पर चर्चा

06 PRSI Chennai Hosts Insightful Session on Diaspora Public Relations

07 स्नेह मिलन समारोह में पुस्तक का विमोचन, जरूरतमंदों की मदद के लिए करें वस्त्र दान- डॉ. संजीव भानावत

08 PRSI Ahmedabad Joins Bharat Kool Festival; Dr. Ajit Pathak highlights 'Brand Bharat' in PR

09 आ अब लौट चलें

11 PRSI Delhi Chapter organises a seminar on 'New Face of Public Relations'

12 साइबर क्राइम और मिस इनफॉर्मेशन पर पीआरएसआई ने कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया

13 Special Lectures at St. Mary's College receives good response

Editorial

Maha Kumbh : Biggest Celebration of Sanatan Values in the World

Dr. Ajit Pathak
National President
Public Relations Society of India

The Maha Kumbh Mela is the most significant and world's largest Hindu pilgrimages, held in India every 12 years. It is a massive gathering of devotees, sadhus, and tourists from all over the world, who come to bathe in the sacred rivers of India, seeking spiritual enlightenment and salvation.

The Maha Kumbh Mela is held at four different locations in India - Allahabad (Prayagraj), Haridwar, Ujjain, and Nashik - each hosting the festival once every 12 years. The festival is based on the ancient Hindu believe of the churning of the ocean of milk, which produced the nectar of immortality, known as "amrit". According to legend, four drops of this nectar fell on the earth, at the four locations where the Maha Kumbh Mela is held.

The festival is a spectacle of color, sound, and spiritual fervor. Millions of devotees are gathering for the holy dip. The air is filled with the chanting of mantras, the beating of drums, and the fragrance of incense and flowers.And the desire to have the wholly dip is attracting the whole World

One of the most iconic and awe-inspiring sights at the Maha Kumbh Mela is the procession of the sadhus and mahants, who march to the river banks to take the sacred bath. These holy men, clad in saffron robes and adorned with ash and vermilion, are a symbol of India's rich spiritual heritage.

The Maha Kumbh Mela is also an occasion for spiritual seekers to engage in intense meditation, yoga, and other spiritual practices. Many devotees fast, pray, and perform rituals to purify their minds and souls. The festival is also an opportunity for social and cultural exchange, as people from all walks of life come together to celebrate the universal values of compassion, tolerance, and unity.

In recent years, the Maha Kumbh Mela has also become a showcase for India's rich cultural heritage, with numerous cultural events, performances, and exhibitions being held during the festival. The festival has also been recognized by UNESCO as an Intangible Cultural Heritage of Humanity.

The Maha Kumbh Mela is a unique and unforgettable experience that showcases the spiritual, cultural, and social diversity of India. It is a celebration of the human spirit, a testament to the power of faith and devotion, and a reminder of the universal values that bind us all together.

This is also a wonderful example of Public Relations Management. Our colleagues Dr Archana Kumari , Tanushree Sharma and Dr Harsha Bhargavi are making great efforts of studying the PR aspects of Maha Kumbh and that work will be a great treat to follow.

Let Sanatan values light the path of humanity!

- Dr Ajit Pathak

पीआरएसआई
जनसंपर्क महाकुंभ
शान, सम्मान और संस्कृति का संगम

रायपुर में पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन तीन दिवसीय जनसंपर्क महाकुंभ के रूप में किया गया। इस कार्यक्रम में जनसंपर्क पेशेवरों, सरकारी प्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट और मीडिया विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस सम्मेलन ने जनसंपर्क के बदलते परिदृश्य, नई संभावनाओं और पेशेवर उत्कृष्टता पर महत्वपूर्ण चर्चाओंको मंच प्रदान किया।

शुभारंभ एवं उद्घाटन सत्र

सम्मेलन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और छत्तीसगढ़ी राजगीत के साथ किया। उन्होंने जनसंपर्क को सरकार और जनता के बीच एक सेतु बताते हुए इसे प्रशासन और समाज के लिए आवश्यक बताया। उप-मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में पीआरएसआई के भविष्य के अधिवेशनों के आयोजन का स्वागत करते हुए सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन की घोषणा की।

पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, रायपुर चैप्टर के चेयरमैन डॉ. शाहिद अली और अन्य पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर ऐतिहासिक शिवरीनारायण मंदिर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री "शबरी के राम" के पोस्टर का विमोचन किया गया।

तकनीकी सत्र, सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम

दूसरे दिन, जनसंपर्क क्षेत्र के विभिन्न आयामों पर केंद्रित तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में जनसंपर्क और डिजिटल मीडिया, कॉर्पोरेट संचार की भूमिका और सरकार में जनसंपर्क के महत्व पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. नंदकुमार साय ने जनसंपर्क को जनता के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी संस्कृति और परंपरा की वजह से एकता का प्रतीक रहा है और जनसंपर्क इस एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न 14 श्रेणियों में 70 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए, जिसमें जनसंपर्क क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पेशेवरों और संगठनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीआरएसआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जनसंपर्क क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले लोकनृत्य और संगीत प्रस्तुत किए गए। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सम्मेलन को और अधिक जीवंत और यादगार बना दिया।

समापन एवं भविष्य की दिशा

तीसरे दिन, समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव उपस्थित रहे। उन्होंने पीआरएसआई के योगदान की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ को इस अधिवेशन का मेजबान बनने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क एक प्रभावी माध्यम है जो समाज, सरकार और

जनसंपर्क क्षेत्र में 68 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत यह राष्ट्रीय संगठन जनसंपर्क पेशेवरों को प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शित करता आ रहा है। यह संगठन युवाओं को इस क्षेत्र में भविष्य तलाशने के लिए प्रेरित करता है और उनके लिए विशेष प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के प्रयास करता है।

- अजीत पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, पीआरएसआई

सभी प्रतिनिधियों का आभार कि आप सभी ने मिलकर सम्मेलन को राज्य के लिए गौरवशाली आयोजन के रूप में निरूपित किया। छत्तीसगढ़ की धरती पर होने वाला पहला आयोजन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इस महाकुंभ से हम सभी कुछ न कुछ लेकर जाएंगे।

- डॉ. शाहिद अली, अध्यक्ष, रायपुर चैप्टर

आगामी 47वां राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 देहरादून में होगा आयोजित

पीआरएसआई की नेशनल काउंसिल की बैठक में वर्ष 2025 में 47 वें अधिवेशन के आयोजन की जिम्मेदारी देहरादून चैप्टर को दी गई। पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजीत पाठक ने कहा कि उत्तराखंड राज्य अपना रजत जयंती वर्ष मनाने जा रहा है। नवंबर 2025 में उत्तराखंड की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। ऐसे में पीआरएसआई के अगले अधिवेशन के लिए उत्तराखंड का चयन उत्तम रहेगा। पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारणियां, सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश भट्ट, उपाध्यक्ष एएम त्रिपाठी सहित सभी सदस्यों ने डॉ पाठक और पीआरएसआई की नेशनल काउंसिल का आभार व्यक्त किया।

कार्य करता है।

सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें आईएएस अधिकारी आशुतोष पांड्य ने सरकारी कर्मचारियों के लिए जनसंपर्क के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मीडिया और जनसंपर्क की भूमिका आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है।

दैनिक हरिभूमि के संपादक हिमांशु द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क के दायरे को और विस्तृत करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के विकास और बदलाव को देशभर में प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने सम्मेलन की सफलता पर सभी का आभार व्यक्त किया और रायपुर चैप्टर की सराहनीय आयोजन क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क न केवल सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करता है, बल्कि यह सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता है।

इस अवसर पर जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन चंदखुरी स्थित कौशल्या माता मंदिर के दर्शन के साथ किया गया, जिससे इस महाकुंभ को सांस्कृतिक समागम का विशेष महत्व प्राप्त हुआ। पीआरएसआई का यह आयोजन न केवल पेशेवर जनसंपर्क को सशक्त करने का माध्यम बना, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया।

Awards for Outstanding Contribution to PRSI - 2024

SHRI SHIV SINGH CHAUHAN
Public Relations Society
of India Shimla Chapter

SHRI SUBHASH MOHANTI
Public Relations Society
of India Kolkata Chapter

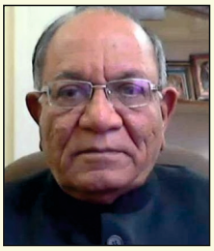

SHRI VIJAY BONDARIYA
Public Relations Society
of India Bhopal Chapter

MR. R. K. SINGH
Public Relations Society
of India Ahmedabad Chapter

SHRI KOLLURU RAMA RAO
Public Relations Society
of India Vishakhapatnam Chapter

DR. AMARNATH TRIPATHY
Public Relations Society
of India Dehradun Chapter

SHRI KAVULURU SRINIVASA RAO
Public Relations Society
of India Tirupati Chapter

पीआरएसआई, देहरादून ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की भेंट

मतदाता जागरूकता पर चर्चा

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI), देहरादून चैप्टर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम से शिष्टाचार भेंट कर मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता जागरूकता के लिए की गई नई पहलों की जानकारी देते हुए अपेक्षा की कि पीआरएसआई भी मतदाता जागरूकता में सक्रिय सहयोग करेगा।

इस मौके पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी. वी. आर. सी. पुरुषोत्तम ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक को अपने मताधिकार का महत्व समझ आए और वह इसका उपयोग करें। इन थीम के माध्यम से, हम पूरे साल जागरूकता अभियान चलाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने ले लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम सतत् रूप से चलते रहेंगे। इसके लिए पूरी व्यवस्था की गई है। हर महीने थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की थीम इस प्रकार बनाई गई है कि सभी वर्गों को मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जा सके।

हम महीने एक थीम रखी गई है जिसको लेकर कार्य होता रहेगा। महीनेवार मुख्य थीम है-

जनवरी : नया साल, नए मतदाता लक्ष्य

फरवरी: मतदाता बनें, विजेता बनें

मार्च: सशक्त महिलाएं, सशक्त राष्ट्र

अप्रैल: "शिक्षा से जागरूकता, जागरूकता से मतदान"

मई: "मेरा काम, मेरी पसंद; मेरा वोट, मेरी आवाज़"

जून: हर बारिश की बूंद और हर वोट मायने रखता है

जुलाई: "हरेला का संदेश, वोट बने विशेष"

अगस्त: स्वतंत्रता और चुनावी कर्तव्य

सितंबर: "शिक्षक: चुनावी भागीदारी के स्तंभ"

अक्तूबर: आसान पंजीकरण, आसान सुधार

नवंबर: "संविधान, संकल्प और मतदान – उत्तराखंड के साथ नई उड़ान"

दिसंबर: "सुगम मतदान, सबका सम्मान"

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारणियां ने कहा कि यह पहल न केवल मतदान प्रक्रिया को सरल बनाने में सहायक होगी, बल्कि समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में भी योगदान देगी। साथ ही पीआरएसआई भी मतदाता जागरूकता के लिए अपने स्तर पर प्रचार प्रसार करेगा। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में हर संभव सहयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर पीआरएसआई देहरादून के सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश भट्ट, सदस्य प्रताप सिंह बिष्ट, दिनेश कुमार, प्रियांक वशिष्ठ उपस्थित थे।

PRSI Chennai Hosts Insightful Session on Diaspora Public Relations

The Public Relations Society of India (PRSI), Chennai Chapter, organized an engaging and insightful event at Hotel Savera, focusing on the evolving domain of Diaspora Public Relations. Titled "Diaspora PR", the session brought together public relations professionals, marketing experts, and journalists to explore the strategic role of diaspora engagement in PR and marketing.

The event featured Dr. Ved Sarvotham, an internationally acclaimed expert in Diaspora Marketing and PR, as the chief guest. With over four decades of experience spanning the USA, UK, and India, Dr. Sarvotham has held key leadership positions in global organizations, including Boeing Group, Western Union, SWIFT Banking Network, Reckitt & Benckiser, and prominent media firms.

In his keynote address, Dr. Sarvotham introduced Diaspora PR as a specialized management science that complements traditional marketing. He emphasized its significance in addressing challenges at the intersection of commercial objectives and policy or political dynamics.

Highlighting the profitability and strategic importance of Diaspora PR, he underscored how businesses and policymakers can leverage it to effectively engage with diasporic communities worldwide.

Citing real-world applications, Dr. Sarvotham demonstrated how Diaspora PR has successfully influenced both commercial ventures and political strategies, particularly in India and abroad. His extensive multilingual skills—fluency in eight languages—and global exposure have further enriched his expertise, making his insights invaluable for PR professionals and journalists.

The event was chaired by Ramkumar Singaram, Chairman of PRSI Chennai Chapter, and coordinated by Dr. N Raja, the chapter's Secretary. With an audience of over 20 industry professionals and journalists, the session concluded with a dynamic Q&A segment, where participants engaged in discussions on the future and potential of Diaspora PR.

PRSI Chennai Chapter continues to create impactful learning opportunities, and this session marked another milestone in its commitment to enhancing the professional capabilities of its members.

स्नेह मिलन समारोह में पुस्तक का विमोचन

जरूरतमंदों की मदद के लिए करें वस्त्र दान- डॉ. संजीव भानावत

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से जनपथ स्थित यूथ हॉस्टल में नव वर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम हुआ। उपाध्यक्ष कविता जोशी ने बताया कि अध्यक्ष वीरेंद्र पारीक ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जैसे जन-सरोकार से जुड़े कार्यों की जानकारी दी।

साथ ही कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए सेवा कार्य जारी रहेंगे। समारोह में डॉ. रुचि गोस्वामी की पुस्तक 'इनोवेशन एंड एडवांस्ड प्रैक्टिसेज इन पब्लिक रिलेशन इन द डिजिटल एरा' और डॉ. आस्था सक्सेना की पुस्तक

'ए सिस्टेमेटिक एप्रोच टू रिसर्च' का विमोचन किया गया। साहित्यकार नरेंद्र शर्मा व डॉ. संजीव भानावत सहित अन्य अतिथियों ने पुस्तक की सराहना की। सचिव मनीष हूजा ने बताया कि सदस्यों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए वस्त्र दान को जरूरी बताया। पदाधिकारियों-सदस्यों से एकत्र वस्त्र जरूरतमंदों में वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में 75 और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित किया गया। आलोक शर्मा और सीए के के मालू ने वेल्थ मैनेजमेंट और निवेश जागरूकता सत्र से सदस्यों को वित्तीय योजना को बेहतर बनाने की दिशा में प्रेरित किया।

Sumit Agarwal, Life Member has been appointed as the Ethical Committee Board Member for the National Institute of Locomotor Disabilities under the Ministry of Social Justice and Empowerment Government of India

PRSI Ahmedabad Joins Bharat Kool Festival; Dr. Ajit Pathak Highlights 'Brand Bharat' in PR

The PRSI Ahmedabad Chapter actively participated in the inaugural Bharat Kool Festival, held in Ahmedabad. Dr Ajit Pathak, National President, PRSI, delivered an insightful presentation on 'Brand Bharat & Public Relations,' which was attended by PRSI Ahmedabad Chapter members, communication professionals, and students from across the city.

Co-organised by Mr Malhar Dave, Founder of Viewfinder and a member of the PRSI Ahmedabad Chapter, the four-day festival was held from November 14 to 17, 2024, at the Gujarat University campus. The event was presented by Gujarat Tourism in collaboration with the Gujarat Media Club and Gujarat University in Ahmedabad. The Bharat Kool Festival celebrated Indian culture by showcasing the essence of India through art, music, and dance.

During his presentation, Dr Pathak elaborated on how India can be positioned as a global brand and the crucial role public relations play in shaping and maintaining this image.

"The brand 'Bharat' refers to the unique identity and image of India as a nation. It encompasses the country's values, culture, history, and people. Brand Bharat is not just about tourism or business; it's about showcasing India's diversity, resilience, and growth story to the world," said Dr Pathak.

"Public relations play a vital role in shaping and maintaining the image of brand Bharat," he further went on to say.

Following his presentation, Dr Pathak engaged with the audience in an insightful and compelling Q&A session. The event concluded with closing remarks by Unmesh Dixit, Executive Director, Ahmedabad Management Association and Past VP-West, PRSI.

The Bharat Kool Festival was open to all and sponsored by prominent Gujarat-born brands like Banas Dairy, GIDC, GMDC, Adani, and Raru Capital.

The festival also featured performances and appearances by artists and dignitaries, including Osman Mir, Arvind Vegda, Parth Oza, Sanjay Oza, poet Tushar Shukla, Gujarat Assembly Speaker Shankar Chaudhary, Former Central Information Commissioner Uday Mahurkar, and folk artist Yogesh Gadhvi.

आ अब लौट चलें

आशुतोष कुमार आनंद

डॉ. आशुतोष कुमार आनंद एक प्रबंधन स्नातकोत्तर हैं और उनके पास कानून की डिग्री तथा प्रबंधन में डॉक्टरेट की डिग्री भी है। वे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ उप महा प्रबंधक (मानव संसाधन) के रूप में कार्य रहे हैं। उनके पास कोर मानव संसाधन के कार्यों को संभालने का व्यापक अनुभव है। मानव संसाधन संबंधित मुद्दों को सफलता पूर्वक निर्वहन करने और नए और अनूठे एचआर तैयार के लिए उन्हें जाना जाता है। जन सम्पर्क के मूल तत्वों से ये बख़ुबी वाक़िफ़ हैं। श्री आनन्द ने १२ से भी अधिक अंतर्राष्ट्रीय पेपर्स लिखे हैं जो विश्व के प्रतिष्ठित प्रबंधकीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। सशक्त कलम के धनी, आशुतोष, भारतीय मूल्यों में विश्वास करते हैं और अपनी लेखनी के माध्यम से सकारात्मकता और संस्कार जनमानस तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं।

विकास के रथ पर सवार मानव सभ्यता ने पिछले वर्षों में कई नयी बुलंदियों को छुआ है। नए आयाम और कीर्तिमान स्थापित किये हैं और अनवरत नयी उन्नति की गाथा को लिखा है। इस विकास ने मानव जीवन को सरल, सुगम और आनंददायक बनाया है तो साथ ही अनेक विसंगतियां एवं विषमताएं भी पैदा की हैं। आज जब चीन कोरोना वाइरस से जूझ रहा है तो बरबस मन में एक ख्याल आया कि क्यूँ जब विज्ञान इतना प्रगतिशील नहीं था और मानव जीवन ज्यादा सादा और सरल था तब क्यूँ ऐसी बिमारियाँ नहीं थीं, ऐसा क्या हुआ पिछले 50 सालों में जिसने हमें अपनी जड़ो से दूर किया और गाहे बगाहें जीवन को और उलझा दिया है।

बुजुर्ग कहते हैं ऊँचा उड़ो पर अपनी जड़ों से नाता न टूटने पाएं, विकास की असीमित गति हासिल करने में जो समझौता हमने किया है आज वह हम सब पर भारी पड़ रहा है।

कुछ उदाहरण के जरिये आज मंथन की कोशिश करते हैं कि इस विकास गाथा में हमने क्या खोया क्या पाया :

योग: आज बिगड़ी जीवनशैली के चलते हम नयी-नयी बिमारियों के जाल में फंसते जा रहे हैं , जिस योग के नाम पर कभी हास्य होता था आज आपको लोग योग पर चर्चा करते नज़र आयेंगे, योग अब करोडों का व्यापार हो गया है, कभी सुबह टहलने में परेशानी होती थी, आज महंगे जिम में पैसा देकर पसीना बहाया जाता है, सुबह सुबह लौकी और करेले का रस, व्हिट ग्रास, एलो वेरा के जूस पीना फैशन हो गया है, कुछ साल पहले तक ऐसा करने पर लोग हंसते थे, तब विकास और आधुनिक होने का मतलब कोका-कोला और थम्स अप हुआ करता था, अब कुछ घरों में उस से टॉयलेट साफ़ किया जा रहा है। अब योग दिवस मनाया जाता है, लोग घरों में पार्कों में योग करते नज़र आ जायेंगे, आखिर थक हार कर हमे अपनी पुरानी धरोहर को फिर थामना पड़ा। आज बडे बडे सेलेब्रिटी योग कर रहे हैं, कई योग गुरु इसी कार्य में लगे हुए हैं, जो बुरा भी नहीं, पर समझना बस यह है कि मानव मज़बूरी या समझदारी चाहे जैसे भी हो पर अब वो समझ रहा है पुरानी चीज़ों की एहमियत और अब आखिर लौट रहा है अपने अतीत की ओर।

मिट्टी के बर्तन : कुछ साल पहले तक हम पहले ताम्बे और पीतल के बर्तनों में खाना पकाते और खाते थे फिर एल्युमीनियम और स्टील के बर्तनों का दौर आया , फिर मेला माईन और बोन चाइना का फैशन आया पर उसके बाद नॉन स्टिक, अनोडाईजड और ग्रेनाइट कोटेड बर्तनों का और फिर जैसे जागरूकता और बीमारियां बढ़ी और इन बर्तनों में खाना बनाने और खाने के

साइड इफेक्ट्स का पता चला हम वापिस अब मिटटी और ताम्बे के बर्तनों पर लौटने लगे, आज अब मिटटी के बर्तनों में खाना बनाना इलीट क्लास की पहचान बन गयी हैं, लोगों ने अब ताम्बे के बोतल में पानी लेकर कार्यालय आना शुरू कर दिया हैं, लकड़ी पर बना खाना आज कहीं खाने को मिल जाये तो लोग उसे अहोभाग्य समझते हैं।

आरओ, अनगिनत यांत्रिक एवं बिजली के उपकरण जैसे फ्रिज़, मिक्सर, वाशिंग मशीन आदि जैसे लोग पहले पानी उबाल कर पीते थे पर धीरे धीरे सेरामिक फ़िल्टर और आरओ ने जगह ले ली, लोग पहले मटके का पानी पिया करते थे जो पानी को ठंडा तो रखता था और साथ ही यह भी सुनिश्चित करता था ज्यादा ठंडे पानी का विपरीत प्रभाव थाइरोइड पर न पड़े पर अब जब लोग थाइरोइड से पीड़ित हो रहे हैं और वैज्ञानिक शोधों से यह पता चल रहा है कि ये उपकरण स्वस्थ्य के लिहाज़ से फ़ायदेमंद नहीं तो जनता अब मटके और सुराही के तरफ वापिस लौट रही है। अब तो डॉक्टर भी गृहणियों को मसाला पिसने हेतु सिलबट्टा का इस्तेमाल, कपड़े धोने के लिए बैठ कर हाथों से उनकी सफाई, माइक्रोवेव का बना हुआ खाना, फ्रिज में ज्यादा दिन की रखी सब्जियां एवम आटे, प्लास्टिक में रखा एवं पैक किया खाना आदि का इस्तेमाल या तो कम करने या नहीं करने का सलाह दे रहे हैं।

जैविक खेती- आर्गेनिक अनाज और सब्जियां: बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा खाद्य उत्पादन की होड़ में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग पारिस्थितिकी तंत्र (Ecology System -प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान के चक्र) प्रभावित करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति खराब हो जाती है, साथ ही वातावरण प्रदूषित होता है तथा मनुष्य के स्वास्थ्य में गिरावट आती है।

प्राचीन काल में मानव स्वास्थ्य के अनुकुल तथा प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप खेती की जाती थी, जिससे जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान का चक्र (पारिस्थितिकी तंत्र) निरन्तर चलता रहा था, जिसके फलस्वरूप जल, भूमि, वायु तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता था। आज पानी, जल, वायु सब प्रदूषित हो चुके हैं, फल और सब्जियों का सेवन भी अब सोच समझ कर करना पड़ता है कि इनको उगाने में पता नहीं किन-किन कीटनाशकों एवं खादों का प्रयोग तथा किस तरह के जल से सिंचाई की गई हैं।

पुनः आज हम जैविक खेती- आर्गेनिक अनाज और सब्जियों के महत्व को समझते हुए इसकी ओर बढ़ रहे हैं , बल्कि यह एक अच्छा व्यवसाय भी हो गया है। मोटे अनाजों जैसे की ज्वार, बाजरा, मक्का, मंडुआ आदि का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। धीरे- धीरे कृत्रिम चीज़ों और फ़ास्ट फ़ूड के नुकसान को समझ कर प्रकृति से जुड़े रहने के फायदे समझने लगे हैं। आज जनमानस चाहते या न चाहते हुए भी धीरे धीरे जैविक वस्तुओं की ओर पलायित हो रहा है, यहाँ अब ये भी जानना जरुरी है कि अब आर्गेनिक संस्कृति भी फैशन बनती जा रही है और अब ये इलीट क्लास की पहचान है। हम मज़बूरी या शौक से ही पर पुरानी जैविक कृषि पद्धति और खान पान की ओर लौटते जा रहे हैं।

ऐसे कई अनगिनत उदाहरण हैं जहाँ धीरे धीरे पुरानी संस्कृति और पद्धति को अपनाना अब इलीट फैशन माना जा रहा है, वापिस फिर युवाओं में दाढ़ी मुछों का फैशन का आना, शादियों में पंगत में खाना का खिलाया जाना, खाने के लिए केले की पत्तियों से बनी थाली का उपयोग, चाय पीने के लिए मिटटी के कुल्हड़, खादी से बने कपड़े, लकड़ी के खड़ाऊ, चीनी की जगह गुड़, फ्राइड स्नैक्स के बदले भुने चने एवं मुरमुरे, बढ़ते वायरल इन्फेक्शन और बिमारियों की वजह से अभिवादन के लिए हाथ मिलाने या गाल से गाल सटाने के बदले हाथ जोड़ना, नमस्ते कहना अब श्रेयष्कर माना जा रहा है क्यूँकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी ये सही और सुरक्षित तरीका है। पाउडर वाली चाय की जगह हर्बल टी जैसे इस तरह के कई उदहारण हैं जहाँ हमने पुरानी संस्कृति, चलन, खान पान को वापिस अपनाने में ही भलाई समझी है।

जीवन में कृत्रिमता के दुष्परिणाम अब जगजाहिर हैं, अब भी समय है नयी पीढ़ी को समझाने की। दुकानदार भी अपनी दुकान में यह लिख देता है कि फैशन के दौर में गारंटी की इच्छा न करें, अब इस वाले नारे (स्लोगन) का अर्थ समझें और लौट चलें अपने जड़ों की ओर, जहाँ गारंटी है स्वस्थ एवं खुशहालल जीवन की इस से पहले कि देर हो जाये।

आ अब लौट चलें।

PRSI Delhi Chapter organises a seminar on 'New Face of Public Relations'

The Public Relations Society of India (PRSI) Delhi Chapter successfully organized an insightful session on "New Face of Public Relations" on January 18th at Telangana Bhavan, aimed at knowledge-sharing and professional development in the field of public relations and corporate communications. The event brought together industry leaders, academicians and PR professionals to discuss the evolving landscape of public relations in the digital age.

The event featured esteemed speakers and industry experts including Dr. Sandeep Marwah, Chancellor, AAFT University, Dr. Ajeet Pathak, National President, PRSI, Dr. Anubhuti Yadav, Professor, IIMC, New Delhi Dr. Samir Kapur, Director, Adfactors, New Delhi and Prof. (Dr.) Charu Lata Singh, Chairperson, Delhi Chapter, PRSI. They shared their experiences and insights on various PR campaigns and case studies, highlighting strategic communication techniques, crisis management, digital PR, and emerging trends in the industry.

Dr. Marwah, shared insights on the transformation of public relations and its role in modern communication. Dr. Pathak, emphasized the importance of ethical communication and PR's evolving role in corporate strategy. Dr. Yadav, highlighted the role of digital PR and media literacy in today's fast-paced world. Dr. Kapur, provided practical insights on crisis communication and reputation management. The seminar chaired by Prof. (Dr.) Singh, played a pivotal role in steering discussions towards contemporary PR challenges and opportunities.

Students, academicians, and professionals from the PR and media fraternity actively participated in the session, engaging in discussions and networking opportunities. The interactive format allowed participants to gain a deeper understanding of the evolving PR landscape, particularly in the Indian context. The session concluded with an interactive Q&A session, where participants had the opportunity to address their queries and exchange thoughts with experts. Dr. Archana Kumari, Secretary, PRSI, Delhi Chapter expressed gratitude to all speakers, attendees, and organizing members for their valuable contributions in making the event a success.

PRSI, Delhi Chapter remains committed to promoting excellence in public relations and communication practices and will continue to organize such knowledge-driven initiatives to empower professionals and aspiring PR practitioners.

साइबर क्राइम और मिस इनफॉर्मेशन पर पीआरएसआई ने कॉन्फ्रेंस का किया आयोजन

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI), देहरादून चैप्टर द्वारा रविवार को "साइबर क्राइम और मिस इन्फोर्मेशन : चुनौतियां और समाधान" विषय पर एक राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन कर किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य साइबर अपराध और गलत सूचना के बढ़ते खतरे पर जागरूकता बढ़ाना और इन चुनौतियों का समाधान ढूंढना था।

मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक सूचना विभाग, डॉ. नितिन उपाध्याय ने कहा कि सोशल मीडिया में मिलने वाली किसी भी सूचना को मानने या फॉरवर्ड करने से पहले उस पर कुछ पल के लिए विचार कर लेना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि जल्दी सूचना देने में गलत या भ्रामक सूचना न चली जाए। थिंक बिफ़ोर यू शेयर के साथ साथ थिंक बिफ़ोर यू केयर भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने

फेक न्यूज़ या मिस इनफार्मेशन के लिए ए.ए.ए. प्लान की बात कही। इसमें अवेयरनेस यानि जागरूकता, एडवोकेसी यानि सही नीतियों नियम क़ानून के लिए बात उठाना और एक्शन यानि सही जानकारी देकर मिस इंफ़ॉर्मेशन को ख़त्म करना शामिल है।

श्री अंकुश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम स्टेशन ने कहा कि 1930 भारत में राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन का टोल-फ्री नंबर है, जिसके माध्यम से नागरिक ऑनलाइन साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह सेवा 24x7 उपलब्ध है और साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम से बचाव केवल जागरूकता के माध्यम से ही हो सकता है। आम लोगों को जागरूक करने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकत है

श्री मिश्रा ने साइबर अपराध के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डीप फेक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का

उपयोग कर नकली वीडियो और ऑडियो तैयार किए जाते हैं। पेंशन धारकों को फर्जी कॉल्स और मैसेज भेजकर ठगी के मामले होते हैं। श्री मिश्रा ने सिम अपग्रेडेशन फ्रॉड, निवेश धोखाधड़ी, बायोमेट्रिक डेटा चोरी कर ठगी, अवैध गतिविधियों का डिजिटल नेटवर्क डॉकनेट, कूरियर फ्रॉड, फिशिंग और विशिंग, स्किमिंग

और आरएफआईडी स्किमिंग, नकली क्यूआर कोड के माध्यम से पैसा चुराना, केवाईसी धोखाधड़ी,नकली मोबाइल ऐप के जरिए ठगी, एआई आधारित वॉयस क्लोनिंग की विस्तार से जानकारी देते हुए इनसे बचाव के उपाय बताए।

श्री मिश्रा ने कहा कि साइबर अपराधियों को ट्रेस करने और कार्यवाही करने में उत्तराखंड पुलिस की परफोर्मेंस काफी बेहतर रही है। उन्होंने ऐसे बहुत से मामलों की भी जानकारी दी कि किस प्रकार लोग शिकार हुए और उत्तराखंड पुलिस ने कार्यवाही की।

उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हमें अपने बायोमैट्रिक जानकारी को लॉक करके रखना चाहिए। आधार की वेबसाइट पर जाकर आसानी से ये किया जा सकता है। किसी भी अनजान लिंक को भूलकर भी ना खोलें। हेल्पलाइन नंबर गूगल से न लेकर संबंधित की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त करें। अंजान नंबर से आए व्हाट्सप्प वीडियो कॉल को न उठाएं।

अंजान नंबर से कोई धमकी दी जाती है या किसी भी तरह की बात की जाती है तो घबराएं नहीं, एकदम से रिएक्ट न करें और दी गई जानकारी को वेरिफाई करा लें। जागरूक बने, भय और लालच से बचें।

श्री ईशान भूषण, सहायक प्रबंधक, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, टीएचडीसी ने कहा कि स्मार्टफोन की उपलब्धता आज सभी को है। हम जो भी बोलते हैं, सर्च करते हैं, उस पर नजर रहती है। व्यक्ति विशेष के अनुसार भ्रामक सूचनाएं सृजित कर भेजी जाती हैं। ऐसे में निरंतर सजगता बहुत जरूरी है। उन्होंने बिग डाटा और सूचनाओं के सोर्स की जानकारी के लिए विभिन्न टूल्स के बारे में बताया।

इस अवसर पर पीआरएसआई देहरादून के अध्यक्ष रवि बिजारणियां ने कहा कि देहरादून चैप्टर द्वारा जनजागरूकता के उद्देश्य से आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भविष्य में भी अन्य विषयों पर ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. अमरनाथ त्रिपाठी, सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र भट्ट, वैभव गोयल, संजय सिंह, शिवांगी सिंह, अजय डबराल, संजय भार्गव, अनिल दत्त शर्मा, अनिल सती सहित अन्य सदस्य और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनिल वर्मा द्वारा किया गया।

Special Lectures at St. Mary's College receives good response

The Department of Mass Communication and Journalism at St. Mary's College, in collaboration with the Public Relations Society of India, Hyderabad chapter, hosted an insightful lecture series featuring journalist Ms. Uma Sudhir and digital marketing expert Mr. Prateek Chakrabarty.

Ms. Uma Sudhir Executive Editor- NDTV delivered an insightful lecture on the evolving landscape of journalism, tracing its history and highlighting the impact of pioneers like Prannoy Roy, a key figure in Indian television. She discussed the rise of digital media, driven by India's large internet user base, and the challenges posed to journalism in the digital age, including the erosion of trust and the rise of generative AI. Ms. Sudhir emphasized the importance of ethical AI use and encouraged students to develop strong storytelling skills and explore diverse areas within the field.

Mr. Prateek Chakrabarty, CEO-Bend, The Spoon Marketing conducted session with his vast experience on content marketing, using real-world examples to illustrate the importance of creativity and data analysis. He introduced tools like Google Analytics and Social Mention, equipping students with practical knowledge for understanding audience behavior and developing effective marketing strategies. A hands-on activity allowed students to apply these concepts to a real-world scenario, further enhancing their learning experience.

PRSI Harmony in Jansampark Mahakumbh